Rashtriya Sahara-New Delhi - 21-07-2011

देर को नॉलेज आज से खुलेंगे कॉलेज

तिलक से होगा स्वागत चॉकलेट से वेलकम

नई दिल्ली (एसएनबी)। डीयू के कॉलेजों में दाखिला पा चुके विद्यार्थियों के लिए आखिरकार वह दिन आ ही गया, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। बृहस्पतिवार से विश्वविद्यालय के कॉलेज खुल जाएंगे और उनमें क्लासेज लगनी शुरू हो जाएंगी। इसी के साथ सूने पड़े डीयू के कॉलेज और कैम्पस भी नये-पुराने विद्यार्थियों की चहल-पहल से गुलजार हो जाएंगे। हालांकि पहले दिन ज्यादातर कॉलेजों में ओरिएंटेशन कार्यक्रम के चलते पढ़ाई कम और मस्ती ज्यादा होगी। कॉलेज खुलने को लेकर सभी प्राचार्यों व टीचरों ने जहां तैयारियां पूरी कर ली हैं। वही, विद्यार्थी भी पूरी तरह से कॉलेज लाइफ को एन्ज्वॉय करने को तैयार हैं। विद्यार्थियों ने नई-नई ड्रेसें, बैग, शूज, सेलफोन आदि खरीदे हैं ताकि पहले ही दिन क्लास के अन्य छात्रों पर अपना प्रभाव छोड़ सकें। नये दोस्त बनाने को लेकर भी उनमें जबर्दस्त उत्साह है। इस बार नये शैक्षणिक सत्र में खास यह रहेगा कि कला और कॉमर्स के सभी पाठ्यक्रम सेमेस्टर सिस्टम में चलेंगे।

- कॉलेजों में नए शैक्षणिक सत्र का पहला दिन आज
- ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में छात्रों ने जाने नियम-कायदे

डीयू में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पूर्व बुधवार को कई कॉलेजों में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनमें विद्यार्थियों के साथ ही उनके अभिभावक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को कॉलेज के नियम-कायदों और सुविधाओं से अवगत कराया गया। कॉलेज प्राचार्यों ने इस सत्र से कला और कॉमर्स कोर्सेज में लागू हुए सेमेस्टर सिस्टम के बारे में भी छात्रों को जानकारी दी। हंसराज कॉलेज में हवन यज्ञ कर ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. वीके क्वात्रा ने कॉलेज के इतिहास, नियम-कायदों और सुविधाओं की जानकारी दी। इसके बाद विद्यार्थी अपने शिक्षकों से मिले और परिचय दिया। कॉलेजों द्वारा विद्यार्थियों को टाइमटेबल भी दिया जाएगा। विद्यार्थियों को डीयू और कॉलेज के एंटी स्मोकिंग और नो रैगिंग जोन होने की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में नए विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए ईसीए कोटे के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य और संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्राचार्य डॉ. पीसी जैन ने बताया कि कॉलेज का ओरिएंटेशन कार्यक्रम सुबह दस बजे से शुरू हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सर्वप्रथम कॉलेज के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें कॉलेज की सुविधाओं से भी अगवत कराया गया। इसके बाद विद्यार्थी अपने-अपने क्लास टीचर से मिलने क्लासेज में पहुंचे, जहां शिक्षकों ने बारी-बारी से सबका परिचय लिया। इस दौरान शिक्षकों ने पाठ्यक्रम और पढ़ाई से जुड़ी बातें कीं। मसलन, सेमेस्टर सिस्टम लागू होने के बाद साल में दो बार परीक्षाएं होंगी, इसके अलावा आंतरिक मूल्यांकन होगा और उसके भी नंबर मिलेंगे व उपस्थिति के भी नंबर मिलेंगे। कॉलेज की ओर से लंच की भी व्यवस्था की गई थी। सत्यवती में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. शम्सुल इस्लाम ने सभी नये विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सूचना का अधिकार, यौन प्रताड़ना और रैगिंग से जुड़ीं जरूरी बातों से अवगत कराया गया।

नई दिल्ली (एसएनबी)। बृहस्पतिवार को जब पहले दिन फ्रेशर्स कॉलेज पहुंचेंगे, तो उनका स्वागत चॉकलेट और फ्लॉवर्स से किया जाएगा। कुछ कॉलेजों में तिलक और मिसरी से भी फ्रेशर्स का मुंह मीठा किया जाएगा। स्वागत कॉलेज की तरफ से नही, बल्कि कॉलेजों में छात्र यूनियनों एबीवीपी और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। हालांकि बताया जा रहा है कि एनएसयूआई के मुकाबले एबीवीपी ने फेशर्स के स्वागत की दमदार तैयारी की है। एबीवीपी के ज्यादा उत्साह का कारण यह भी है कि डूसू चुनाव में बीते साल उसने तीन पदों पर जीत हासिल की थी, जबकि एनएसयूआई के हिस्से में केवल एक सहसचिव का पद आया था।

- नॉर्थ कैंपस के कॉलेजों में वेस्टर्न तरीके से और आउट ऑफ कैंपस के कॉलेजों में परंपरागत तरीके से होगा फ्रेशर्स का स्वागत
- एबीवीपी और एनएसयूआई की कॉलेज यूनिटों के कार्यकर्ता गेट पर करेंगे स्वागत

एबीवीपी के प्रदेश मंत्री रोहित चहल ने बताया कि एबीवीपी ने कॉलेजों के हिसाब से नये विद्यार्थियों के स्वागत की तैयारी की है। हाईफाई कॉलेजों में जहां वेस्टर्न स्टाइल में फ्रेशर्स को चॉकलेट और फ्लावर्स दिए जाएंगे वहीं, आउट ऑफ कैम्पस के कॉलेजों में पहुंचने वाले फेशर्स का परंपरागत तरीके से तिलक लगाकर और मिसरी से स्वागत किया जाएगा। चहल ने बताया कि प्रत्येक कॉलेज में एबीवीपी की यूनिट है। हर यूनिट में पांच से छह छात्र हैं, जो कॉलेज गेट पर खड़े रहेंगे और कॉलेज आने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे। इसके अलावा रैगिंग को रोकने के लिए एबीवीपी द्वारा एंटी रैगिंग स्क्वाड तैयार किया गया है। प्रत्येक कॉलेज में छह से सात विद्यार्थी इस स्क्वाड के निगाह रखेंगे। इनके नंबर्स कॉलेज के नोटिस बोर्ड भी रहेंगे। नए विद्यार्थी किसी तरह की परेशानी होने पर इनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबीवीपी की ओर से सदस्यता अभियान 25 जुलाई शुरू किया जाएगा, जो 10 अगस्त तक चलेगा। उधर, एनएसयूआई के डूसू में सहसचिव अक्षय कुमार ने बताया कि कॉलेजों में रेड रोज देकर फ्रेशर्स का वेलकम किया जाएगा। हर कॉलेज में एनएसयूआई की यूनिट है। यूनिट के कार्यकर्ता कॉलेज गेट पर फ्रेशर्स को फ्लावर देकर तिलक लगाएंगे। एनएसयूआई की ओर से रैगिंग विरोधी रैली भी कैम्पस में निकाली जाएगी।

पहले दिन विद्यार्थियों को मिलेंगी निशुल्क बस सेवा : पहले दिन कॉलेज पहुंचने के लिए यदि विद्यार्थी डूसू-एनएसयूआई की बसों को मेट्रो स्टेशन से पकड़ेंगे तो उन्हें अपनी जेबें ढीली नहीं करनी पड़ेंगी। दरअसल, डूसू-एनएसयूआई की ओर से चार बसें निशुल्क सेवा के तहत चलाईं जाएंगी। डूसू के सहसचिव अक्षय कुमार ने बताया कि कॉलेज के पहले दिन नॉर्थ कैम्पस और साउथ कैम्पस में दो-दो बसें चलेंगी। यहां खास बात यह है कि विद्यार्थियों को निशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई जाएंगी। यह बसें मेट्रो स्टेशन से विद्यार्थियों को मिलेंगी और एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज का चक्कर काटती रहेंगी।